हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 13 जुलाई 2026

11 मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और स्वस्थ जीवन...

12 हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए प्रवेश...

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुजवि परिसर में किए उद्घाटन और शिलान्यास

जीजेयू को 7.58 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात चौधरी भजनलाल के नाम पर होगा नर्सिंग ब्लॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गुरु जंभेश्वर महाराज की शिक्षाओं के अनुरूप राज्य सरकार का दृढ़ विश्वास है कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधियां या डिग्रियां बांटना नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसे चरित्रवान, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण करना है, जो तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ-साथ अपनी संस्कृति और प्रकृति के प्रति भी पूरी तरह सजग हों। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को यहां के गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 7 करोड़ 58 लाख रुपए के उद्घाटन एवं शिलान्यास किए, इनमें 6 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले कन्या छात्रावास का शिलान्यास, स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में 1.40 करोड़ रुपए से बने नर्सिंग विभाग के भवन का उद्घाटन तथा 18 लाख रुपए की लागत से बने खेजड़ली महाबलिदान स्मृति शिल्प एवं माता अमृता देवी सर्कल का लोकार्पण किया। उन्होंने नर्सिंग ब्लॉक का नाम विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने गुरु जंभेश्वर महाराज और बिश्नोई समाज का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का अस्तित्व बहुत महत्व रखता है, जिसका प्रतिनिधित्व गुरु जंभेश्वर जी महाराज ने अपने जीवन और उपदेशों में किया। गुरु जंभेश्वर की शिक्षाओं के अनुरूप ही डबल इंजन की सरकार प्रकृति के साथ संतुलन बैठाकर हरियाणा को विकास की नई बुलंदियों पर ले जाने का काम कर रही है।

हिसार। जीजेयू में नर्सिंग ब्लॉक का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। *फोटो : हरिभूमि*

भारत की सभ्यता का प्रकृति से आत्मीय संबंधः सैनी

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता का मूल स्वर प्रकृति के साथ आत्मीय संबंध का रहा है। इसी महान परंपरा में पंद्रहवीं शताब्दी में गुरु जंभेश्वर महाराज ने मरुस्थलीय प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए जो विचार-क्रांति प्रारंभ की, वह अपने समय से कई शताब्दियां आगे की सोच थी। उस समय जब संसार के अधिकांश भागों में प्रकृति को केवल संसाधन के रूप में देखा जाता था, तब गुरु जंभेश्वर महाराज ने प्रकृति को जीवन का आधार, धर्म का अंग और लोक कल्याण का सर्वोच्च माध्यम घोषित किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु जंभेश्वर महाराज के द्वारा प्रतिपादित 29 नियम केवल किसी धार्मिक पंथ के अनुशासन नहीं हैं। ये नियम मानव जीवन, पर्यावरण संतुलन, सामाजिक समरसता, जैव विविधता, पशु-करुणा, जल संरक्षण, स्वच्छता, संयम और नैतिक जीवन के अमूल्य सिद्धांत हैं। ये नियम आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पांच सौ वर्ष पहले थे।

गुरु जंभेश्वर महाराज ने पर्यावरण को लेकर चलाई मुहिम : महीपाल ढांडा

समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि गुरु जंभेश्वर महाराज ने पर्यावरण को लेकर मुहिम चलाई। पर्यावरण के संरक्षण के लिए लोगों ने अपना बलिदान तक दिया। इस मुहिम को जीवन में अमल करने और आगे बढाने की आवश्यकता है तभी पर्यावरण चुनौती से निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने शिक्षा एवं तकनीकी के क्षेत्र में भी अनेक रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक सावित्री जिंदल, विधायक रणधीर पनिहार, विनोद भयाना, मेयर प्रवीन पोपली, पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, पूर्व विधायक दुड़ाराम, स्वामी डॉ. सच्चिदानन्द आचार्य, आशा खेदड, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

जीजेयू में हुए कार्यक्रम से नाराज होकर चले गए कुलदीप बिश्नोई

■ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पोस्टर से फोटो हटाना नाराजगी का कारण

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में रविवार को हुए कार्यक्रम में कई विवादास्पद बातें सामने आईं। सीएम के सामने ही भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई विश्वविद्यालय प्रशासन से नाराज होकर चले गए। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के दो-दो पोस्टर बनवाना चर्चा का विषय बना रहा और यही पोस्टर कुलदीप की नाराजगी का कारण बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान मंच पर लगाए गए पोस्टर से भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई की तस्वीर गायब मिली। कार्यक्रम से पहले उनकी फोटो लगी हुई थी, लेकिन बाद में पोस्टर बदल दिया गया। इससे नाराज कुलदीप बिश्नोई ऑडिटोरियम में प्रवेश किए बिना ही लौट गए। इसके कार्यक्रम में सम्मानित किए जाने के दौरान मंच से नलवा विधायक रणधीर सिंह पनिहार का नाम ही नहीं लिया गया। बाद में कुलपति उन्हें पटका पहनाने पहुंचे, लेकिन पनिहार ने पटका लेकर अपने पास रख लिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन पर सवाल

एनएसयूआई ने मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। एनएसयूआई नेता विकास बनभौरी का कहना है कि सीएम के आगमन पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्र नेताओं और प्रतिनिधियों के विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश पर रोक लगाना बेहद निंदनीय, तानाशाहीपूर्ण और लोकतंत्र की हत्या करने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि जिस नर्सिंग ब्लॉक में पिछले लगभग एक वर्ष से नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं, उसका आज उद्घाटन करवाया जा रहा है। दूसरी ओर, गर्ल्स हॉस्टल का हाल ही में कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है तो उद्घाटन कौनसे गर्ल्स हॉस्टल का करवा रहे हैं। ऐसा करना जनता और मुख्यमंत्री को भटकाने का प्रयास प्रतीत होता है।

भाषण जमीनी हकीकत से दूर : अज्जू

इनसो नेता अज्जू घनघस ने कहा कि मुख्यमंत्री के समक्ष कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने अपनी प्रशासनिक कमियों को छिपाने के लिए एकतरफा तस्वीर पेश की, लेकिन वास्तविक स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। छात्रों से लगातार भारी-भरकम फीस वसूली जा रही है, जबकि बदले में न तो पर्याप्त हॉस्टल उपलब्ध हैं, न पर्याप्त कक्षाएं, न ही खेल और अन्य बुनियादी सुविधाएं। ऐसे में छात्रों के पैसे आखिर खर्च कहां हो रहे हैं, इसका जवाब विश्वविद्यालय प्रशासन को देना चाहिए।

खबर संक्षेप

साइबर ठगी के शिकार को लौटाए 1.22 लाख

हिसार। शहर की एचटीएम थाना पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को एक लाख 22 हजार 300 की पूरी राशि वापस दिलाने में सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में थाना एचटीएम में केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता से साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन माध्यम से एक लाख 22 हजार 300 रुपये की ठगी कर ली थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए धोखाधड़ी की गई पूरी राशि को संबंधित बैंक में समय रहते होल्ड करवा दिया।

धोखाधड़ी के पीड़ित को वापस दिलाए 35800

हिसार। साइबर हेल्प डेस्क, थाना उकलाना ने एक साइबर धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित को 35 हजार 800 की राशि वापस दिलवाई है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि उकलाना थाना में दर्ज साइबर धोखाधड़ी के मामले की जांच के दौरान साइबर हेल्प डेस्क उकलाना द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया गया। पुलिस के प्रयासों से पीड़ित की 35 हजार 800 की राशि सफलतापूर्वक वापस करवाई गई।

मारपीट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कैमरी के मंगल विहार निवासी कृष्ण के रूप में हुई है। सहायक उप निरीक्षक विनय कुमार ने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त ईंट का टुकड़ा भी बरामद किया गया, जिसे कब्जे में ले लिया गया है।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी दबोचा

हिसार। बस स्टैंड चौकी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रभारी चौकी के नेतृत्व में जांच अधिकारी मुख्य सिपाही कृष्ण ने कार्रवाई करते हुए आरोपी आर्य नगर निवासी मेवा सिंह उर्फ मक्कड़ को मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया। पूछताछ एवं आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद कर ली गई है।

बाइक चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हिसार। शहर की पुरानी सब्जी मंडी चौकी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सिरसा जिले के बकरियांवाली निवासी विजय के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में मॉडल टाउन निवासी संदीप की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

स्वीट शॉप की लिफ्ट में फंसकर गर्दन कटने से युवक की मौत

पहली बार दुकान आया... पहली बार ही लिफ्ट में बैठा और चली गई जान

रात को दुकान में रुका, सुबह सामान लेने गया तो हो गया हादसे का शिकार; हत्या का संदेह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार की कल्पना स्वीट्स में रविवार सुबह हुए हादसे ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कुंभाखेड़ा निवासी 34 वर्षीय जसबीर शनिवार को पहली बार दुकान पर आया था और पहली ही सुबह लिफ्ट का इस्तेमाल उसके लिए जानलेवा साबित हो गया। वह मात्रश्याम निवासी मुख्य हलवाई विजय का बुआ का लड़का था। विजय ने बताया कि जसबीर रात को दुकान पर किसी से मिलने आया था। रात अधिक होने के कारण वह दुकान पर ही सो गया।

दुकान मालिक अनिल गोयल के मुताबिक रविवार होने के कारण दुकान पर सुबह जल्दी सब्जी-पूड़ी तैयार की जानी थी। इसी वजह से दुकान सामान्य दिनों से पहले खोली गई। विजय ने बताया कि रविवार सुबह करीब छह बजे जसबीर को ऊपर जाने के लिए कहा गया। वह सामान ले जाने के लिए इस्तेमाल होने वाली लिफ्ट के जरिए ऊपर जाने लगा। जैसे ही लिफ्ट दूसरे फ्लोर पर पहुंची, अचानक वह हादसे का शिकार हो गया। लिफ्ट के मैकेनिज्म में फंसने के कारण गर्दन कटने से उसकी मौत हो गई।

सामान के लिए लगी लिफ्ट इस्तेमाल की

दुकान मालिक अनिल गोयल का कहना है कि जसबीर संभवतः पहली बार इस लिफ्ट का उपयोग कर रहा था। दुकान में काम करने वाले सभी वर्कर्स सीढ़ियों से ऊपर नीचे आते-जाते हैं। लिफ्ट केवल सामान को ऊपर से नीचे लाने के लिए लगी हुई है। जसबीर दुकान पर पहली बार आया था। संभवतः पहली बार ही वह लिफ्ट का यूज कर रहा था। सुबह वह जैसे दूसरी मंजिल पर पहुंचा, उसकी गर्दन लिफ्ट के दरवाजों के बीच आ गई। लिफ्ट में अचानक झटका लगते ही गर्दन कटकर नीचे वायर्स पर जा गिरी।

पिता ने उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई

घटना के करीब दो घंटे बाद मृतक के परिजनों को इसकी जानकारी मिली। जसबीर के पिता रामबीर ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे गांव के एक युवक ने उन्हें हादसे की सूचना दी। इसके बाद परिवार मौके पर पहुंचा। उन्होंने कहा कि उनके बेटे की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी और उसकी अभी शादी भी नहीं हुई थी। उन्हें यह भी जानकारी नहीं थी कि जसबीर शनिवार को दुकान पर आया था। रामबीर ने बेटे की मौत पर संदेह जताते हुए इसे हत्या बताया है। उनका कहना है कि उन्हें पुलिस की शुरुआती जांच पर भरोसा नहीं है और मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि मौत की असली वजह सामने आ सके।

प्रारंभिक जांच में लग रहा है हादसा, जांच जारी

सिटी थाना प्रभारी अमित कुंडू का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों और परिस्थितियों के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा। गौरतलब है कि हिसार में यह पहला मामला नहीं है। करीब छह वर्ष पहले पड़ाव चौक स्थित आनंद ट्रेडिंग की इमारत में भी सामान उतारते समय एक वर्कर लिफ्ट में फंस गया था, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई थी। लगातार सामने आ रहे ऐसे हादसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में मालवाहक लिफ्टों के सुरक्षित उपयोग और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि सामान वाली लिफ्ट में सुरक्षा के क्या इंतजाम थे और यह हादसा तकनीकी खराबी के कारण हुआ या किसी लापरवाही की वजह से।

बड़ी खबर: साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 पर करें कॉल

साइबर अपराध समन्वय केंद्र का मनी रेस्टोरेशन मॉड्यूल शुरू फ्रीज राशि सीधे खाते में आएगी

हांसी। साइबर अपराधों पर अंकुश और साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के पीड़ितों को राहत देने के लिए गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने मनी रेस्टोरेशन मॉड्यूल शुरू किया है। इस नई व्यवस्था से साइबर ठगी में जांच के दौरान फ्रीज की गई राशि अब निर्धारित प्रक्रिया के तहत सीधे पीड़ित के बैंक खाते में वापस की जा सकेगी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर सबसे जरूरी काम तुरंत शिकायत दर्ज कराना है। पीड़ित को बिना देरी के राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करनी चाहिए या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करानी चाहिए। समय पर शिकायत से ठगी गई राशि को ट्रैक कर आगे ट्रांसफर होने से पहले फ्रीज करना संभव हो पाता है। शिकायत दर्ज होने के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियां और संबंधित बैंक में एमआरएम प्रणाली के जरिए धोखाधड़ी की राशि का पता लगाकर खातों को फ्रीज करते हैं। यदि राशि सुरक्षित कर ली जाती है तो पीड़ित एमआरएम पोर्टल पर अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से लॉगिन कर रिफंड का अनुरोध कर सकता है। इसके लिए शिकायत संख्या, पैन कार्ड और बैंक खाते का विवरण देना होगा।

आधा दर्जन गांवों में पेयजल किल्लत किरतान में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

कारगर साबित नहीं हुआ विभाग का 25 करोड़ का प्रोजेक्ट, जलघर को जड़ा ताला

बरवाला ब्रांच नहर के टेल एरिया में बसे गांवों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। पानी की कमी के कारण जनस्वास्थ्य विभाग का 25 करोड़ का पंप हाउस प्रोजेक्ट सफेद हाथी बनकर रह गया है। इस प्रोजेक्ट को टेल एरिया के 6 गांवों में पीने का पानी उपलब्ध करवाने के लिए बनाया गया था। चौधरी माइनर पर सीसवाला हेड पर बने पंप हाउस से किरतान, बुड़ाक, बालसमंद, गोरछी, सरसाना और बासडा गांव के 7 जलघरों को 35 किलोमीटर लंबी पाइप बिछाकर जोड़ा गया था ताकि नहर में पानी कम होने पर भी इन गांवों तक पीने का पानी पहुंचाया जा सके।

हिसार। किरतान में प्रदर्शन करते ग्रामीण।

जलघरों में नहीं पहुंचा पानी

इस पंप हाउस को तीन साल पहले चालू कर दिया गया था। पंप हाउस के चालू होने पर ग्रामीणों को पानी की किल्लत दूर होने की उम्मीद थी लेकिन आजतक इस प्रोजेक्ट का लाभ किसी भी गांव को नहीं मिला है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े 6 गांव में से किसी के भी जलघर पूरी तरह नहीं भर पाए हैं। विभाग कभी नहर में पानी कम होने, कभी बिजली कटने तो अलग अलग दिक्कत बताकर टालमटोल कर देता है। इस 6 गांवों को आजतक भी पुरानी पाइपलाइन के जरिए की थोड़ा बहुत पानी दिया जा रहा है। मामले में एरिया के किसान नेता सुरेन्द्र आर्य ने बताया कि विभाग वालों का कहना है कि सीसवाला हेड पर पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण मोटर नहीं चल सकी थी। अगर इस नहर में से हांसी जींद को पानी देने से पहले ही यहां पीने का पानी नहीं पहुंच रहा है तो इन शहरों को पानी देने का बाद हालात और ज्यादा बदतर होंगे।

15 दिन से नहीं हुई जलापूर्ति

पानी की किल्लत से परेशान किरतान गांववासियों ने रविवार को जलघर पर ताला जड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि नहर में तीन दिन से पानी चल रहा है, सिर्फ चार दिन और नहर में पानी चलना है लेकिन आजतक उनके गांव के टैंक में सिर्फ तीन फीट पानी इकट्ठा हो सका है। बीते 15 दिनों से गांव में पानी सप्लाई नहीं दी गई है। ग्रामीणों द्वारा प्रदर्शन करने के बाद विभाग ने पंप हाउस की मोटर चालू करवाई है। पानी सप्लाई नहीं होने के कारण ग्रामीणों को एक हजार प्रति टैंकर के हिसाब से पानी खरीदना पड़ रहा है। बीते साल इस बारे में नलवा हलके के विधायक रणधीर पनिहार को पूरी समस्या बताई थी लेकिन आजतक कोई समाधान नहीं हुआ है। गोरछी गांव वासी अनिल ने बताया कि उनके गांव तक इस पंप हाउस से लाइन दबाई गई है लेकिन आजतक इस लाइन से टैंक नहीं भरे हैं। ये लाइन चालू होने के बाद पुरानी लाइन का कनेक्शन नहर से हटाना था लेकिन इस प्रोजेक्ट के फेल होने के कारण अभी तक पुरानी लाइन से काम चल रहा है।

हांसी। चानौत के समर्थन में ट्रैक्टरों पर सवार होकर आते मसूदपुर के ग्रामीण।

चानौत धरने के समर्थन में सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे मसूदपुरवासी

हांसी। शहर की जलापूर्ति के लिए बिछाई जा रही भाखड़ा पाइप लाइन से पेयजल कनेक्शन की मांग पर गांव चानौत में 58वें दिन भी धरना जारी रहा। धरना स्थल पर आसपास के गांवों का समर्थन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को गांव मसूदपुर के ग्रामीण सैकड़ों ट्रैक्टरों के काफिले के साथ धरना स्थल पहुंचे और चानौत के ग्रामीणों की मांगों का खुलकर समर्थन किया। धरना स्थल पर पहुंचे मसूदपुर के ग्रामीणों का चानौत के लोगों ने स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसानों, युवाओं, महिलाओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

ग्रामीणों ने कहा कि यह केवल चानौत गांव की नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों के अधिकारों और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र के गांवों की एकजुटता से आंदोलन को लगातार मजबूती मिल रही है। उन्होंने प्रशासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। तथा 17 जुलाई को जींद रैली में पहुंच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गांव की पानी की मांग से अवगत करवाते हुए पानी की मांग की जाएगी। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने दोहराया कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और भाखड़ा नहर से गांव के लिए स्थायी पेयजल व्यवस्था होने तक संघर्ष जारी रहेगा। मसूदपुर के ग्रामीणों ने भी चानौत के आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया।

हर रविवार एक गांव निभाएगा अब आंदोलन की जिम्मेदारी

हांसी। चानौत में पानी की मांग को लेकर चल रहे धरने के बीच ग्रामीणों ने आंदोलन को शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ाने और गांव के साथ मजबूती से खड़े रहने का संकल्प लिया। आंदोलन समिति ने घोषणा की है कि अब रोघी खाप और बूरा खाप के 24–25 गांव बारी-बारी से आंदोलन की जिम्मेदारी निभाएंगे। हर रविवार एक गांव चानौत पहुंचकर धरने में भागीदारी सुनिश्चित करेगा। समिति प्रवक्ता अनूप चानौत ने बताया कि सोमवार को पेटवाड़ गांव चानौत पहुंचकर समर्थन देगा, मंगलवार को कंवारी गांव एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होगा। चानौत में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिवक्ता एडवोकेट विजय ने आंदोलन समिति से मिलकर महत्वपूर्ण दस्तावेज सार्वजनिक किए। समिति का कहना है कि इन दस्तावेजों में अमृत योजना के अंतर्गत कर्नाटक राज्य के सात गांवों को पेयजल उपलब्ध कराए जाने का उल्लेख है। समिति का प्रश्न है कि यदि अमृत योजना के तहत अन्य राज्यों के गांवों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सकता है, तो चानौत गांव को यह सुविधा क्यों नहीं दी जा सकती। चानौत धरना कमेटी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 14 जुलाई तक चानौत गांव में टी लगाकर पेयजल कनेक्शन दें नहीं तो 17 जुलाई को जींद में आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हरियाणा प्रदेशवासी चानौत गांव के लिए टी मांगने जाएंगे।

नारनौंद के 52 बीएलओ कर चुके काम पूरा

एसआईआर में नारनौंद पहले नंबर पर, हिसार सबसे फिसड्डी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

एसआईआर का कार्य पूरे जोर शोर से किया जा रहा हैं। छुट्टी के दिन भी सभी बीएलओ फील्ड में रहकर अपने कार्य को पूरा करने में जुट हुए हैं। नारनौंद हलके के बूथ नंबर 149 पर पांच जुलाई को ही बीएलओ ने अपना काम पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया था। इसके अलावा जिनका काम बाकी हैं वो भी पूरी मेहनत से जुटे हुए हैं। अभियान के तहत 14 जुलाई की शाम तक सभी को काम पूरा करना होगा। नारनौंद हलका एस आई आर करने में नंबर वन है। नारनौंद हलके में 62 गावों के 221 बूथ ओर दो लाख 14 हजार 257 वोट हैं। प्रत्येक बूथ पर एक बीएलओ को एस आई आर करने की जिम्मेवारी सौंपी गई हैं। सभी बीएलओ 14 जुलाई तक अपना काम पूरा करके चुनाव अधिकारी को अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे। करीब 52 बीएल ओ ने अपने काम का पूरा कर दिया है। जिनका काम बाकी हैं वो छुट्टी के दिन भी घर घर जाकर लोगों से संपर्क करके फार्म भरने का काम कर रहे हैं। कुछ बीएलओ ने बताया कि कुछ लोग गांव को छोड़कर शहरों में चले गए और उनका वोट आज भी गांव में ही है। इसलिए उनके कागजात लेने में कुछ परेशानी आ रही है।

कल शाम तक सभी फार्म जमा करवाने के निर्देश

एसआईआर के काम में 12 जुलाई तक नारनौंद में 88.66, आदमपुर में 85.10, उकलाना में 79.86, हांसी में 82.78, बरवाला 84.16, नलवा 80.91, हिसार में 66.06 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। चुनाव तहसीलदार जगदीप मान ने बताया कि अभी तक की रिपोर्ट में नारनौंद नंबर वन पर है और हिसार सबसे पीछे है। सभी बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि वह 14 जुलाई की शाम तक अपने सभी फॉर्म जमा करवा दे।

अग्निकांड पीड़ित सरदार सुखसागर सिंह के घर पहुंचे काका सिंह लदूवास हरसंभव मदद का भरोसा दिया

हिसार। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व सदस्य सरदार सुखसागर सिंह के आवास पर हुए भीषण अग्निकांड के बाद पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल है। इस दर्दनाक हादसे में घर का लाखों रुपये का कीमती सामान, घरेलू वस्तुएं एवं अन्य आवश्यक सामग्री जलकर राख हो गई। हालांकि गुरु महाराज की कृपा से परिवार के सभी 11 सदस्य सुरक्षित बच गए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि टल गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य काका सिंह लदूवास विशेष रूप से रतिया से हिसार पहुंचे। उन्होंने सरदार सुखसागर सिंह के निवास पर पहुंचकर अग्निकांड से हुए भारी नुकसान का जायजा लिया तथा पीड़ित परिवार से मिलकर उनका दुख साझा किया। इस अवसर पर काका सिंह लदूवास ने कहा कि इस कठिन घड़ी में पूरा सिख समाज सरदार सुखसागर सिंह और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

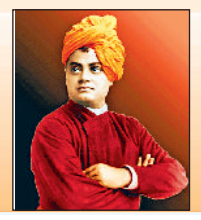

कहानी

आशमा कौल

धूप का टुकड़ा

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी।

सुबह की गई काजल, जब भी दिन में स्कूल से घर लौटती तो आते ही मां को खोजना शुरू कर देती और कहीं न दिखने पर वह हमेशा अपने पिछले दरवाजे से बाहर जाकर मां को चारपाई के कोने पर ही बैठा पाती । उसे मालूम है कि मां को यह जगह बहुत पसंद है, हो भी क्यों न, पूरे दिन की थकी मां यहीं आकर तो थोड़ा विश्राम करती है। विमला गर्मियों में नीम के पेड़ की ओट में अपनी चारपाई लगा लेती और सर्दियों में अपनी चारपाई को थोड़ा सा धूप की तरफ़ खिसका कर अपनी ठंडी देह को थोड़ा गर्माइश देने की कोशिश करती।

पूरे दिन में यह आधा-पौना घंटा सिर्फ उसका होता, जिसमें वह जो मन आता वह करती। सर्दी के दिनों में उस नियत समय पर चारपाई के कोने में चुपचाप बैठे हुए धूप के उस टुकड़े को विमला अपनी बाहों में भर लेती या शायद यूं भी कह सकते हैं कि धूप का वह टुकड़ा उसे अपनी बाहों में भर लेता, एक अन्तरंग सखा की तरह। काजल के आने तक वह धूप का टुकड़ा भी अलविदा कह कर चला जाता और विमला काजल के लिए गरम-गरम रोटियां सेंकने रसोई घर में चली जाती। मां-बेटी साथ बैठ कर दिन का भोजन करतीं और फिर काजल अपनी सहेलियों के साथ खेलने चली जाती। जब सूरज अपने घर जाने की तैयारी में होता, तब विमला शाम के भोजन की तैयारी में जुट जाती। बेटा सुधीर शाम को कॉलेज से घर आता और उसके कुछ देर बाद ही पति भी दफ्तर से आ जाते। रात के भोजन में ज्यादा काम रहता तो काजल भी रसोई के काम में मां का हाथ बंटाती। घर में पतिदेव भी कभी-कभी मज़ाक करते –

"दिन में जब कभी मैं घर आ जाऊं तो तुम्हारी मां को तो फुरसत ही नहीं होती, वह तो अपने सखा धूप के संग गल बहियां डाले मस्त हो जाती है''।

यह सुनकर सब हंसते और विमला भी चिरोरी करने से बाज़ न आती और कहती –

" आप चिढ़ते क्यों हो मेरे प्रेमी से, यह मेरा सच्चा हमदर्द है, आपकी तरह सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि अपने प्यार से मुझमें ऊर्जा का संचार करता है। और तो और, उसने मुझसे वादा कर रखा है कि वह मुझसे दिन में एक बार मिलने तो ज़रूर आएगा"।

समय नदी की धार की तरह बहता रहा और सुधीर और काजल उस धार में डुबकियां लगाते बड़े हो गए और वह दिन भी आ गया जब सुधीर दूल्हा बना और अपनी दुल्हिन कंचन को धूमधाम से घर ले आया। कंचन के आने से घर खुशियों से भर गया और काजल को भी एक सहेली मिल गयी या यूं कहें कि बहन मिल गई। कंचन भी काम पर जाती थी, फिर भी सवेरे के समय में वह सासु मां का हाथ बंटाती और शाम को दफ्तर से आने के बाद भी खाने की मेज़ सजाने में मदद करती। लेकिन विमला के दिन का नियम नहीं बदला, सर्दी हो या गर्मी, धूप का टुकड़ा उनसे मिलने रोज़ ही आता और वह भी चारपाई पर बैठ उसे अपने आगोश में भर लेती। कभी कभी ऐसा भी होता कि बादल उस धूप के टुकड़े को लोरी सुनाकर अपने रेशमी आंचल में सुला देते, तब विमला बच्चों की तरह उदास हो जाती और आकाश में ऊपर देख कर बादलों से उसको रिहा करने की गुजारिश करती। अब तो उसकी बहू कंचन भी उसके इस गुप्त प्रेम से वाकिफ़ हो गई थी और उसे छेड़ती थी। सर्दी के छुट्टी वाले दिन तो अब मां के साथ-साथ बहू और बेटी भी उस धूप के टुकड़े की गर्माइश लेने चारपाई पर आ धमकती और उस मीठी-मीठी गर्माइश को अपने अंदर समेट लेतीं।

कभी-कभी विमला के पड़ोस की सहेलियां भी चारपाई पर अपने ऊन के गोले और सलाइयां लेकर बैठ जाती और फिर जमती उनकी गप्पों की महफिल। सर्दियों में चाय के कप टकराते और मूंगफली और गजक की दुकान लग जाती। लेकिन विमला को पसंद था चुपचाप उस धूप के टुकड़े से बतियाना। अपनी कितनी ही मन की बातें वह मन ही मन अपने उस खास मित्र से करती और न जाने कितने सवालों के जवाब भी उससे पा लेती और कभी आंखें बंद करके उसकी ऊर्जा को अपने अंदर उतारने की कोशिश करती। यह सब देख कर उसकी सहेलियों को उससे ईर्ष्या भी होती और उनमें से बड़बोली रमा बोल ही देती कि -

" विमला, हमे मालूम है तुम्हें हमारी कोई जरूरत नहीं है, तुम तो अपनी दुनिया में खोई रहती हो, हम तो बस तुम्हारी खैर खबर लेने आ जाते हैं। वैसे हमारी किस्मत तुम्हारे जितनी अच्छी भी नहीं है, हमारे आंगन में तो ये धूप दर्शन ही नहीं देती, इसलिए भी कभी-कभी आ जाते हैं"।

" ऐसी कोई बात नहीं, आप चाहो तो रोज़ आओ, धूप किसी की जागीर तो नहीं, इस पर तो सबका हक है। मैं तो अपने हिस्से की धूप ले ही लेती हूं, आपकी जब इच्छा हो आओ, चारपाई तो वहां बिछी ही रहती है" – विमला ने प्यार से कहा तो सभी सहेलियां खुश हो गई।

कंचन भी पढ़-लिख कर स्कूल में अध्यापिका बन गई और अब उसके ब्याह के लिए भी रिश्ते आने लगे। मां-पिता और भैय्या-भाभी सब उसके लिए अच्छा वर ढूंढने में लग गए। कभी लड़का-लड़की की जन्मपत्री न मिलती, कभी कद-काठी न मिलती तो कभी स्वभाव न मिल पाता। कंचन झुंझला कर कहती –" मां, मुझे परेशान न करो, मैं आपके पास बहुत खुश हूं" तो विमला का जवाब हमेशा यही होता– "जोड़ियां तो ऊपर आकाश में बनती हैं, तुम्हारे लिए जो बना है वह खुद ब खुद सामने आ जाएगा और तुम्हें ब्याह कर ले जाएगा"। बिल्कुल ऐसा ही हुआ, एक पारिवारिक समारोह में कंचन किसी के मन को भा गई और ईश्वर की कृपया से जन्मपत्री, कद-काठी और दोनों का स्वभाव भी मिल गया तो फिर क्या था। दोनों परिवार मिले और ब्याह की तारीख भी निश्चित हो गई। पूरा घर लाड़ली बिटिया के ब्याह की तयारियों में लग गया और वह खूबसूरत दिन भी आ गया, जब कंचन दुल्हन के जोड़े में धमक रही थी।

विमला, बेटी की बलैयां लेते न थकती और ईश्वर को प्रणाम करना न भूलती। बहुत धूम-धाम से विवाह सम्पन्न हुआ और कंचन अपने सुसराल चली गई। बहुत दिनों तक घर वाले कंचन के बिना उदास रहे और खास कर मां अपनी बेटी की याद में बार-बार आंसू बहाती। लेकिन वह बहुत खुश भी थी कि बिटिया को एक बहुत अच्छा ससुराल और सुयोग्य वर मिला है। विवाह की व्यस्तता में भी विमला कुछ पल अपने मित्र से मिल ही लेती और अब तो वह अपने नियत समय पर चारपाई के कोने पर बैठी मिलती। कुछ समय उपरांत बहू गर्भवती हुई तो विमला उसे भी थोड़ी देर धूप में बैठने के फायदे बताती और अब दो से भले तीन हो गए थे इस मित्रता के बंधन में और समय बीतते देर न लगी। विमला दादी की पदवी पर आ गई और अब तो उस नन्हे-मुन्ने के साथ धूप के हमझोली तीन से चार हो गए ।

दिन में विमला मुन्ने को लेकर चारपाई पर खेलती, मालिश करती और उस धूप के टुकड़े के आगोश में उसे सुलाती। अब मुन्ने का साम्राज्य हो गया था तो सहेलियां भी हाल-चाल पूछ कर आगे निकल जाती। कंचन बिटिया जब कभी दिन में ससुराल से मायके आती तो मां और मुन्ना से मिलने सीधा पीछे आंगन में आती और मुन्ना को अपनी गोद में लेकर, खुद मां की गोद में लेट जाती और अपने ससुराल और स्कूल की बातें बता कर दिल को हल्का करती ।

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

छुट्टी का दिन था और सब घर में ही थे, हंगामा मच गया। डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन विमला तो बिना किसी को अलविदा कहे सूरज के पंखों पर बैठ कर अनजान दुनिया के लिए निकल गई थी।

आज विमला को देह त्यागे एक वर्ष हो गया है, लेकिन धूप का टुकड़ा उससे मिलने अभी भी रोज़ आता है और सबको विमला की याद दिलाता है। कंचन ससुराल में व्यस्त हो गयी है और अब मायके कम ही आ पाती है।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है, शायद मां की यादें समेटने। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी। उसे महसूस हो रहा है, जैसे वह धूप का टुकड़ा नहीं, उसके मां की गरम हथेलियां हैं, जो उसे सहला रही हैं और उसे पता ही न चला कि वह कब नींद के आगोश में आ गई। घर में सब कंचन को ढूंढ रहे हैं कि वह कहां गई, किसी को पता ही न चला कि वह मां की तरह गुनगुनी और नर्म धूप की बाहों में सो रही है।

पुस्तक समीक्षा

भवन निर्माण संबंधी शास्त्र का भंडार है 'वास्तु विज्ञान'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो ब्रह्माण्ड और प्रकृति के मूलभूत सिद्धान्तों के साथ मानव निवास के सामंजस्य को समझाने का प्रयास करती है। पृथ्वी के वातावरण में ये ऊर्जाएं मुख्यतः उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम की दिशा में निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। जब पृथ्वी पर किसी भवन या संरचना का निर्माण किया जाता है, तब इन ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन अथवा अवरोध उत्पन्न होता है। यही ऊर्जाएं निर्मित भवन में भी प्रवेश करती हैं और भवन की दिशा, संरचना तथा आन्तरिक व्यवस्था के आधार पर उनके सन्तुलन का स्वरूप निर्धारित होता है।

प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित वास्तुशास्त्र इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी विषय पर आधारित सोमप्रकाश पांचाल की लिखी पुस्तक 'वास्तु विज्ञान' का प्रकाशन श्री अंगिरा शोध संस्थान द्वारा किया गया है। पुस्तक को कुल ग्यारह अध्यायों में विभाजित किया गया है। आधुनिक युग में भी वास्तु शास्त्र की क्या महत्ता है और इसे अपनाने के क्या लाभ हानि हो सकते हैं, इस बारे में पुस्तक में विस्तार से बताया गया है। लेखक ने अपनी बात को गहराई से समझाने के लिए पुस्तक में रेखा चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल किया है। मकान या भवन आदि के निर्माण के समय बरती जाने वाली वास्तु संबंधी तमाम जानकारियों से लबरेज यह पुस्तक वास्तव में वास्तु शास्त्र में विश्वास रखने वालों के लिए लाभदायक साबित होगी। क्लिष्ट शब्दावली इस्तेमाल में लाई गई है। हालांकि इसे आसानी से समझाने के लिए अंग्रेजी के शब्द भी साथ में दिए हैं। कई जगह संदर्भ के लिए संस्कृत के श्लोकों का भी वर्णन है। किन्तु विषय विशेष को देखते हुए इसे लेखन की आवश्यकता भी माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र संबंधी लाभकारी बातों की शुचिता के लिए लेखक ने संदर्भित ग्रन्थों व अन्य सहायक सामग्री का भी विवरण दिया है। करीब सवा तीन सौ पृष्ठों में संकलित यह पुस्तक वास्तु विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठकों और शोधार्थियों के लिए काफी लाभदायक रहेगी, ऐसा माना जा सकता है। कुल मिलाकर वास्तु विज्ञान को लेकर पाठकों का ज्ञानवर्धन करने का लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा है।

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. जेके डागर

वाणी का महत्व

कटु वचनों से जिंदगी सदा जहर होगी।
मीठी वाणी बोलिये तो सुधा नहर होगी।

दुश्मन को सखा बना देगा जुबाँ का जादू,
काबू रखिये इसे खुशियों की लहर होगी।

सदा तोल मोल कर बोलोगे तो पाओगे,
हर शाम शांतिपूर्ण, मुस्काती सहर होगी।

शोले बरसाते रहे जोअगर सदा रसना से ,
अपने और अपनों को हरदम कहर होगी।

छान छान कर कहे डागर,जो शब्द रसीले
तेरी चर्चा हर गांव गांव और शहर होगी।।

कविता | मनीषा मंजरी

रिश्ता

खून का हो या कच्चे धागे का
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

चमन का माली से, जीजा का साली से,
कीड़े का नाली से, दशहरे का दिवाली से।
रिश्ता तो .....

सजनी का साजन से, घर का आँगन से,
नाग का नागिन से, चोली का दामन से।
रिश्ता तो .....

मछली का पानी से,राजा का रानी से,
आकाश का तारों से, नदिया का किनारों से।
रिश्ता तो.....

राधा का श्याम से,रामायण का राम से,
घोड़े का लगाम से,मालिक का गुलाम से।
रिश्ता तो .....

कल का आज से, मूलधन का ब्याज से,
सब्जी का प्याज से, शाहजहाँ का मुमताज से।
रिश्ता तो .....

म्यान का तलवार से,सैनिक का हथियार से,
डॉक्टर का बीमार से,बनिए का बाजार से।
रिश्ता तो.....

शायर का कलम से, प्रियतमा का सनम से,
सच्चाई का धर्म से,और मृत्यु का जन्म से।
रिश्ता तो.....

नाविक का नाव से,और जूती का पाँव से,
पहलवान का दाव से,सुधीर का कौल गाँव से।
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

शोक सभा में ब्रांडेड कपड़े और चश्मा

बचपन | आसिम अनमोल

एक ज़माना था शोक की खबर प्रत्येक मानव जाति के हृदय पर ग़मों की बौछार कर देती थी। आज के समय में इंसान मर रहा होता है तो उस पर दृष्टि डालना तो दूर खुद जीने के प्रयास में बड़े परिश्रम से लगा रहता है। पहले के लोग शोक सभा में जाने से पहले दहाड़े मार-मारकर पूरी सामाजिकता निभाते हुए रो-रोकर और आंखें फोड़ लिया करते थे। आज उन्ही आंखों को गुलाब जल से धोकर पहले स्वस्थ किया जाता है। फिर नैनों में काजल भरकर रील बनाकर वायरल किया जाता है।

पहले के लोग वस्त्र जो पहने होते थे, उसी अवस्था में शोक की ख़बर सुनकर फाइव जी स्पीड से भाग खड़े होते थे। मनुष्य आज ख़बर सुनने के बजाय टी.बी. पर चल रही वेब सीरीज़ देखना ज्यादा पसंद कर रहा है। शोक ख़बर सुनने के उपरांत इतना आधुनिक हो जाता है इंसान कि पत्नी से यह कहने की चेष्टा तक कर डालता है कि सेफ़ से अच्छा सा सूट निकाल देना। संसार से जाने वाला भी बहुत शौक़ीन था कपड़े पहनने का। शोक का माहौल है तो क्या हुआ। साफ़- साफ़ ब्रांडेड कपड़े

पहनकर जाने से मरने वाले की आत्मा को शान्ति तो मिलेगी। स्टेटस भी बना रहेगा। शोक का माहौल अब इंसान के मूड पर परिवर्तित हो गया है। अब शोक की ख़बर जैसे ही इंसान के कानों तक पहुंचती है, चेहरों पर वो भाव ही नज़र नहीं आते जिन चेहरों पर उदासीनता की मोहर छप जाती थी। अब शोक की ख़बर तक को फ़ोन पर ही निपटा दिया जाता है। शोक में आने वाला भी अर्थी उठने से पांच मिनट पहले आकर इतिश्री कर लेता है। पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी शोक में जाने के लिए नए-नए वस्त्रों का चयन करने से खुद को रोक नहीं पातीं । उनका भी आधुनिक हृदय चटक-पटक वस्त्र पहनने के लिए खूब मचलता है। शोक में श्वेत वस्त्र उनके हृदय को ऐसे खटकता है, जैसे इस संसार से उनका जाने का कोई इरादा न हो। रंग-बिरंगे आधुनिक वस्त्रों को धारण करने से शोक का माहौल रंगीनियत में परिवर्तित करने की जैसे मुहिम छिड़ी हुई है। परिवर्तन ही शाश्वत नियम है। अब लिपस्टिक ओठों पर न लगी हो, आंखों पर काला चश्मा न हो तो शोक वाले घर में आधुनिकता का ढोल कैसे पिटेगा। वैसे भी जाने वाला तो चला गया। उसको देखने आने वाले लोग अपने अपने तरीके से आएंगे और जाएंगे।

जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी।

अपने अनोखे तौर तरीकों से शोक सभा में बातचीत करने की कला का प्रदर्शन भी करेंगे। ऐसे प्रदर्शनों से लोगों की बड़े पैमाने पर सहभागिता भी रहेगी। जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी। यह तय और सुनिश्चित है।

कुछ हटकर

बैचलर इन फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन फैशन डिजाइन (बी.डिज़ाइन फैशन डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को फैशन, परिधान निर्माण, स्टाइलिंग, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और फैशन उद्योग की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल डिजाइन, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, पैटर्न मेकिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, फैशन मार्केटिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और फैशन फोरकास्टिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। फैशन डिजाइन केवल कपड़ों की डिजाइनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, संस्कृति, ट्रेंड, ब्रांडिंग और लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। टेक्सटाइल एवं गारमेंट डिजाइन फैशन उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

विशेषज्ञताएं

- फैशन डिजाइन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन स्टाइलिंग
- फैशन कम्युनिकेशन
- कॉस्ट्यूम डिजाइन
- लक्जरी एवं लाइफस्टाइल डिजाइन
- फैशन मर्चेंडाइजिंग
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग
- एक्सेसरी एवं ज्वेलरी डिजाइन
- फैशन मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग
- सस्टेनेबल फैशन डिजाइन
- डिजिटल फैशन एवं फैशन टेक्नोलॉजी

आवश्यक कौशल

- फैशन स्केचिंग एवं इलस्ट्रेशन कौशल
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ
- रंग संयोजन एवं फैब्रिक चयन की जानकारी
- ट्रेंड एनालिसिस व फैशन फोरकास्टिंग क्षमता
- गारमेंट निर्माण एवं पैटर्न मेकिंग की समझ होना

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प विभाग
- डिजाइन एवं शिक्षा संस्थान
- पॉलिटेक्निक एवं डिजाइन संस्थानों में व्याख्याता

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग आज विश्व के सबसे बड़े रचनात्मक एवं रोजगार-उन्मुख क्षेत्रों में से एक है। फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, मीडिया हाउस और लक्जरी उद्योग ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ के साथ कार्य कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डिजाइन)
- एम.बी.ए. फैशन मैनेजमेंट
- पी.जी. कार्यक्रम इन फैशन स्टाइलिंग एवं लक्जरी ब्रांडिंग
- टेक्सटाइल एवं सरफेस डिजाइन में विशेषज्ञता

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सुविधा के दौर में संघर्ष का महत्व

आज का समय अभूतपूर्व सुविधाओं का समय है। एक क्लिक पर भोजन घर पहुंच जाता है, मोबाइल फोन पर दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। सुविधाएं मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, लेकिन इनके बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है, क्या सुविधा की अधिकता हमें संघर्ष से दूर कर रही है? हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

पहले संसाधनों की कमी थी, आज विकल्पों की अधिकता है। पहले लोगों को अवसर खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज अवसर हमारी स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। लेकिन एक बात तब भी सत्य थी और आज भी है, स्थायी सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग आज भी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और संघर्ष से होकर ही गुजरता है।वर्तमान समय में कई युवा त्वरित सफलता की अपेक्षा रखते हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली उपलब्धियां, कुछ महीनों में प्रसिद्धि पाने की कहानियां और रातों-रात सफल होने की धारणा कई बार युवाओं को वास्तविकता से दूर ले जाती है। वे सफलता का परिणाम देखते हैं, लेकिन उसके पीछे वर्षों का परिश्रम, असफलताएं और संघर्ष नहीं देख पाते। यही कारण है कि छोटी असफलता भी कई युवाओं को निराश कर देती है। वास्तव में संघर्ष केवल कठिनाइयों का नाम नहीं है। संघर्ष वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। जब हम चुनौतियों का सामना करते हैं, तब हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता विकसित होती है। जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें वह सिखाती हैं, जो अक्सर किताबें नहीं सिखा पातीं। इतिहास गवाह है कि अधिकांश सफल व्यक्तियों ने संघर्ष का सामना किया है। संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है, असफलताओं को स्वीकार करना।

आज की दुनिया में तकनीक बदल सकती है, अवसर बदल सकते हैं और काम करने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन संघर्ष का महत्व कभी कम नहीं होगा। सुविधा हमें गति दे सकती है, लेकिन संघर्ष हमें क्षमता देता है। सुविधा रास्ता आसान बनाती है, जबकि संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अंततः जीवन में वही लोग आगे बढ़ते हैं जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानते हैं। इसलिए युवाओं को सुविधा का लाभ अवश्य लेना चाहिए, लेकिन संघर्ष से दूरी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि चरित्र सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष से बनता है। और मजबूत चरित्र ही स्थायी सफलता की सबसे बड़ी नींव है।

लघु कथा

उधार की जुबान

मंच पर आज वो कुछ ज़्यादा ही चमका था।
विरोधी पर हमला करते-करते सीधे उसकी बहन तक उतर आया था।
भीड़ खिलखिला रही थी—जैसे किसी का अपमान नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो।
तालियां... सीटी... ठहाके ...और वो- गर्व से भरा हुआ।

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

मंच से उतरते वक्त उसने सोचा—"आज तो खेल कर दिया..."
घर पहुंचा—तो बाहर ही "खेल" चल रहा था।
पड़ोसी उसकी पत्नी से उलझा हुआ था,
बेटी रो रही थी...
और फिर—
"तुम्हारी बेटी भी...!"
वही शब्द।
वही लहजा।
वही गंदगी।
नेता ठिठक गया।
"ज़ुबान संभालकर बात करो!" वो चीखा।
पड़ोसी हंसा—"अरे नेता जी, नाराज़ क्यों होते हैं?
ये ज़ुबान तो आपकी ही दी हुई है...बस आज उधार लौटाई है।"
आसपास खड़े लोग चुप थे- पर उनकी आंखों में वही तालियां बज रही थीं।
नेता के पास शब्द नहीं थे। पहली बार उसे अहसास हुआ
वो शब्द जो वो दूसरों की बेटियों के लिए बोलता रहा,
आज उसके अपने घर का दरवाज़ा खटखटा रहे है।
घुमंतू कहता हुआ ,आगे बढ़ गया
"शब्द कभी मरते नहीं...
बस वक्त आने परअपना पता बदल लेते हैं।"

मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन व स्वस्थ जीवन का प्रभावी माध्यम बन सकता मेडिटेशन : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

तेज रफ्तार जिंदगी, भागदौड़ भरी जीवनशैली और संसाधनों की होड़ के कारण बढ़ते मानसिक तनाव, चिंता व अवसाद को दूर करने के उपाय समझाने के लिए ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में वर्तमान दौर में मेडिटेशन के महत्व पर आधारित इस ध्यान सत्र में साधकों को न केवल ध्यान का महत्व समझाया गया बल्कि उन्हें ध्यान विधियों का अभ्यास करवाकर उन्हें अपनाने के लिए प्रेरित भी किया गया। इस दौरान साधक ऊर्जावान व तरोताजा दिखाई दिए।

ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय व मां सांची ने ध्यान सत्र में मेडिटेशन के विविध आयामों से परिचय करवाया। इस दौरान मां सांची का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया। केक काटकर और गीत गाते हुए सभी साधकों को प्रसाद रूप में केक वितरित किया गया। इस अवसर पर मां सांची (रेणुका) को सभी ने बधाई व शुभकामनाएं देकर स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामना की।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में मेडिटेशन करते साधक। फोटो : हरिभूमि

ध्यान सत्र में स्वामी संजय ने कहा कि मोबाइल फोन व अन्य गैजेट्स से सूचना का आदान-प्रदान तो आसान हो गया है लेकिन इंसान इन उपकरणों से बंधकर तनाव ग्रस्त रहने लगा है। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में मेडिटेशन मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और स्वस्थ जीवन का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने ध्यान को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए समझाया कि प्रतिदिन कुछ समय ध्यान करने से न केवल तनाव कम होता है बल्कि एकाग्रता बढ़ती है और जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मकता आती है। उन्होंने बताया कि नियमित ध्यान करने से मानसिक स्वास्थ्य तो मजबूत होता ही है, इसके साथ ही अच्छी नींद आती है और कार्यक्षमता व आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होती है।

योग कक्षाएं बढ़ाने और जड़ी-बूटी दिवस मनाने का निर्णय

हांसी। भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योग समिति जिला हांसी की मासिक बैठक पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में महंत सागरनाथ जी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों को प्रभावी बनाने, नई योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के मोबाइल फोन में बीएसटी एप इंस्टॉल करवाकर उसका प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि संगठन की सूचनाओं और कार्यक्रमों का बेहतर समन्वय हो सके। इसके अलावा जिले के विभिन्न वार्डों में नई योग कक्षाएं शुरू करने और पुरानी कक्षाओं को नियमित करने की योजना बनाई गई।बैठक में 4 अगस्त को आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के जन्मोत्सव पर जड़ी-बूटी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया।

स्वयं को जानना ही मनुष्य जीवन का लक्ष्य : आचार्य बसंत

हिसार। समर्थगुरु धारा संघ हिसार की ओर से आयोजित साप्ताहिक साधना श्रृंखला के तहत रविवार को साधना केंद्र में विशेष ध्यान सत्र आयोजित किया गया। इसमें अनेक साधकों ने भाग लेकर आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किए।कार्यक्रम में आचार्य बसंत ने साधकों को संजीवनी ध्यान की गहन साधना करवाई। उन्होंने ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति, आंतरिक ऊर्जा और आत्मिक स्थिरता प्राप्त करने के बारे में मार्गदर्शन दिया। सत्र के दौरान वातावरण शांत और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहा। समापन अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य सुभाष ने आचार्य बसंत का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे ध्यान सत्र समाज में शांति और आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने में सहायक हैं।

हिसार। अतिथियों का स्वागत करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य जांच शिविर में 100 मरीजों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ऑल इंडिया पीएनबी पेंशनर्स एसोसिएशन एवं ऑल इंडिया पीएनबी ऑफिसर्स एसोसिएशन, हिसार सर्किल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नागोरी गेट स्थित श्री 108 आचार्य नेमि सागर जैन धर्मार्थ औषधालय में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 100 मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर का शुभारंभ कांगड़ा कोऑपरेटिव बैंक के प्रमुख भूषण चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में तथा पंजाब नेशनल बैंक, हिसार के उप मंडल प्रमुख भूपेंद्र सैनी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में किया। दोनों अतिथियों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर लोगों को समय पर स्वास्थ्य जांच और उचित परामर्श उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिविर के दौरान लगभग 100 मरीजों का पंजीकरण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आयुर्वेद, दंत रोग, त्वचा रोग, नेत्र रोग तथा फिजियोथेरेपी से संबंधित निःशुल्क परामर्श दिया। इसके अलावा मरीजों की सुविधा के लिए रियायती दरों पर पैथोलॉजी जांच की व्यवस्था भी की गई, जिसका बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आमजन को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रदेश को हरा-भरा बनाना प्राथमिकता : रवि सैनी

- वन विकास विभाग के चेयरमैन का नागरिक अभिनंदन, 1.50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हरियाणा सरकार के वन विकास विभाग के नवनियुक्त चेयरमैन रवि सैनी का रविवार को ग्रीन सिटी सेक्टर-2 में नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने का आह्वान करते हुए कहा कि हरियाणा को हरा-भरा बनाना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि लोगों को स्वच्छ एवं शुद्ध वातावरण मिल सके। रवि सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष 1.50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अभियान में आम नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, विद्यार्थियों और विभिन्न संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार की योजना के तहत 50 लाख पौधे निशुल्क वितरित किए जाएंगे, जबकि 20 लाख पौधे विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि बच्चे स्वयं पौधारोपण कर उनकी देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व हैफेड प्रशासक नरेंद्र भ्याना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा रवि सैनी को वन विकास विभाग का चेयरमैन नियुक्त कर हांसी जिले का सम्मान बढ़ाया है। भाजपा नेता अशोक कनौजिया ने कहा कि रवि सैनी के चेयरमैन बनने से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल मानी, पार्षद रमेश मदान, पार्षद ज्योति कामरा, लवकेश भ्याना, प्रवीन सिंगला, कुलदीप हिन्दुस्तानी, मनोज रहेजा, राममेहर ढांडा, कल्लू सैनी, रामविलास वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

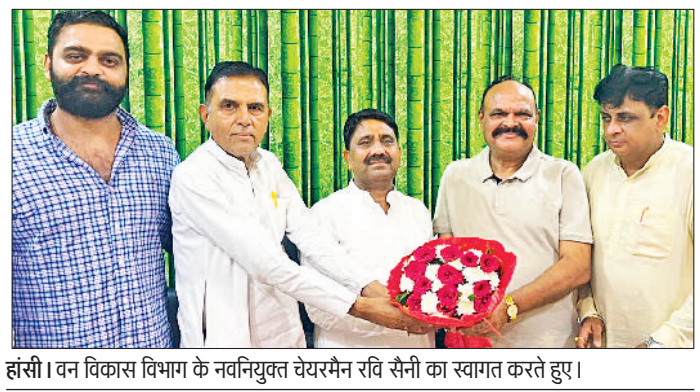

हांसी। वन विकास विभाग के नवनियुक्त चेयरमैन रवि सैनी का स्वागत करते हुए।

हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई का दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

सिसाय रोड स्थित हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण का विषय आनंदमय गणित रहा, जिसका उद्देश्य गणित शिक्षण को अधिक सरल, रोचक, रचनात्मक और विद्यार्थियों के लिए आनंददायक बनाना था। प्रशिक्षण का संचालन सीबीएसई के प्रशिक्षक रवि शर्मा और नताशा जुनेजा ने किया। उन्होंने शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण, नवीन शिक्षण पद्धतियों, रचनात्मक मूल्यांकन तथा कक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने के प्रभावी तरीकों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान अनेक व्यावहारिक उदाहरणों, समूह गतिविधियों और रोचक अभ्यासों के माध्यम से बताया गया कि गणित जैसे विषय को भी विद्यार्थियों के लिए सहज, सरल और रुचिकर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षकों के अलावा विभिन्न विद्यालयों से आए अनेक शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हांसी। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते विभिन्न स्कूलों के अध्यापक अध्यापिकाएं।

उकलाना। साहिल का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

प्रभुवाला के साहिल निम्बराण ने पूरी की एमबीबीएस की पढ़ाई

उकलाना। उकलाना खंड के गांव प्रभुवाला के होनहार युवा डॉ. साहिल निम्बराण द्वारा एमबीबीएस (चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा स्नातक) की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी कर गांव लौटने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। गांव में उनके स्वागत के लिए फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों और जोरदार अभिनंदन का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुषों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गांव के सरपंच अनिल कुमार ने कहा कि एक चिकित्सक केवल अपने परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का होता है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. साहिल निम्बराण अपनी शिक्षा और सेवाभाव के माध्यम से समाज की निस्वार्थ सेवा करेंगे तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डॉ. साहिल निम्बराण ने बताया कि वर्ष 2020-21 में उनका प्रवेश विदुर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, कर्नाटक में हुआ था।

आदमपुर में 25 औषधीय, फलदार और छायादार पौधे लगाए, संरक्षण का संकल्प

आदमपुर। पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद्, शाखा आदमपुर ने रविवार को पौधारोपण एवं संरक्षण अभियान के तहत मॉडल टाउन स्थित कम्युनिटी सेंटर के सामने पार्क तथा शांति पार्क में लगभग 25 औषधीय, फलदार और छायादार पौधे लगाए। इस दौरान परिषद् सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया। शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल ने बताया कि परिषद् ने 100 पौधों के पौधारोपण एवं संरक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन ही इस अभियान की वास्तविक सफलता है। यदि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, तभी हरित वातावरण का सपना साकार हो सकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए।

ग्रीन हिसार अभियान के तहत सूर्य नगर ओवरब्रिज के नीचे किया पौधारोपण

हिसार। पर्यावरण संरक्षण तथा हिसार को हराभरा, स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से ग्रीन हिसार, फिट हिसार एवं हमारा प्यार हिसार के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सूर्य नगर ओवरब्रिज के नीचे एक व्यापक संयुक्त पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान में विभिन्न सामाजिक संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों, युवाओं एवं शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण किया तथा उनकी देखभाल का संकल्प लिया। हिसार की विधायक सावित्री जिंदल भी इस अभियान में शामिल हुईं और उन्होंने दोनों संस्थाओं द्वारा किए गए कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वंयसेवी संस्थाएं किसी भी समाज की बेहद जरूरी इकाई होती हैं जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अभियान में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को कम-से-कम एक पौधा लगाना चाहिए।

हिसार। पौधारोपण करते विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में हांसी विस के सभी 205 मतदान केंद्रों पर लगे विशेष शिविर : एसडीएम

हांसी। मतदान केंद्र के निरीक्षण के दौरान बीएलओ से बातचीत करते एसडीएम राजेश खोथ। फोटो : हरिभूमि

हांसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत रविवार को हांसी विधानसभा क्षेत्र के सभी 205 मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए गए। शिविरों के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाए तथा आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए। निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम राजेश खोथ ने दिनभर विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बूथ संख्या 95 से 108 तक के मतदान केंद्रों का विशेष रूप से निरीक्षण किया तथा वहां उपस्थित बीएलओ को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित की जाए और गणना प्रपत्र भरवाने का कार्य पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाए। एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची को अधिक से अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसके लिए प्रत्येक पात्र मतदाता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बीएलओ घर-घर जाकर भी मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं ताकि कोई भी पात्र नागरिक इस प्रक्रिया से वंचित न रहे।

ब्राह्मण धर्मशाला में हुआ जिला सम्मेलन

महेंद्र सिहाग पाबडा बने जिला प्रधान और उपप्रधान बने सुरेंद्र सिहाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

सिहाग गौत्र जिला हिसार का सम्मेलन ब्राह्मण धर्मशाला में हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व सरपंच जोगीराम सिहाग पंघाल ने की। इस सम्मेलन में सिहाग गौत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और सर्वसम्मति से सिहाग गौत्र के प्रधान और उपप्रधान बनाए गए। सिहाग गौत्र जिला हिसार कमेटी का प्रधान पद महेंद्र सिंह पाबडा को और उपप्रधान पद सुरेंद्र सिहाग ढाणी प्रेम नगर को सौपा गया। नवनियुक्त प्रधान महेंद्र सिहाग और उप प्रधान सुरेंद्र सिहाग का सिहाग गौत्र के अनेक गणमान्य लोगों द्वारा बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया गया और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस स्वागत और सम्मान से गदगद नवनियुक्त प्रधान महेंद्र सिंह सिहाग पाबडा और सुरेंद्र सिहाग ढाणी प्रेम नगर ने कहा कि सिहाग गौत्र ने सम्मान सूचक जो पगड़ी पहनाई है। उसका पूरा मान सम्मान किया जाएगा और जो जिम्मेवारी सौपी है। उस जिम्मेवारी पर भी खरा उतरा जायेगा। किसी भी प्रकार की शिकायत का मौका नहीं आने दिया जाएगा। सिहाग गौत्र द्वारा जो भी कार्य निर्धारित किए जाएंगे उन कार्यों को अमलीजामा पहनाया जायेगा। इस अवसर पर सिहाग गौत्र के अनेक गणमान्य लोग राजकुमार सिहाग, राजेंद्र पाबडा, जगमेन्द्र, ईश्वर सिहाग, अनिल भैणी, महेंद्र सिहाग भैणी बादशाहपुर व विकास सिहाग आदि मौजूद रहे।

स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और मूवी टिकट देकर किया गया प्रोत्साहित

रोटरी के मेगा रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह, रक्तदाताओं का हुआ सम्मान

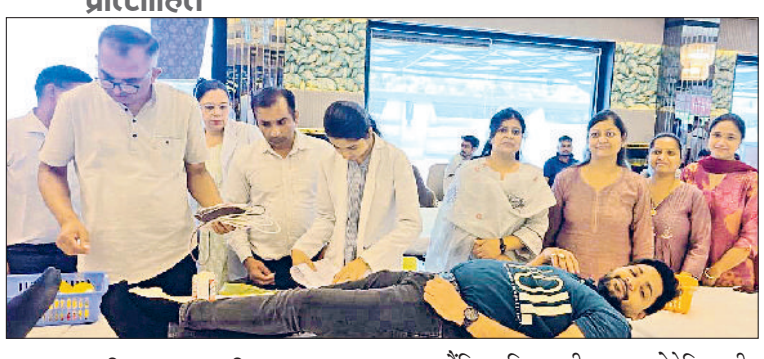

हरिभूम न्यूज ⏭ हिसार

दिल्ली रोड स्थित सनसिटी बैंक्वेट हॉल में रोटरी हिसार, रोटरी सुपर चैंपियन व रोटरी एलिट के संयुक्त तत्वावधान में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। शिविर में रोटरी हिसार के अध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप गुप्ता, रोटरी सुपर चैंपियन हिसार की अध्यक्षा रोटेरियन मीनू गुप्ता तथा रोटरी एलिट हिसार के अध्यक्ष मनीष गोयल ने रक्तदान करने पहुंचे सभी रक्तदाताओं का स्वागत किया और उनके इस मानवीय योगदान की सराहना की। प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन अनय मित्तल ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले युवाओं, सामाजिक संस्थाओं एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई सेवा नहीं है।

35 कैडेटों समेत 44 ने किया रक्तदान

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में प्रथम हरियाणा आर एंड वी स्क्वाड्रन एनसीसी की ओर से आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से जिला प्रशासन एवं जिला नागरिक अस्पताल के माध्यम से आयोजित इस शिविर में 35 एनसीसी कैडेटों सहित कुल 44 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर की शुरुआत शारीरिक प्रशिक्षण (पीटी) और घुड़सवारी सत्र से हुई। इसके बाद कैडेटों ने ड्रिल अभ्यास में भाग लिया, जिसका उद्देश्य उनमें अनुशासन, शारीरिक दक्षता और अश्वकला कौशल का विकास करना था। दिन का मुख्य आकर्षण रक्तदान शिविर रहा।

हिसार। रक्तदान करते एनसीसी कैडेट्स।

24वें से 17वें स्थान पर पहुंची रग्बी टीम

हिसार। हैदराबाद में आयोजित 11वीं राष्ट्रीय जूनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता में हरियाणा जूनियर लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है। पिछले संस्करण में 24वें स्थान पर रहने वाली टीम इस बार 17वें स्थान पर पहुंची। पांच मुकाबलों में तीन जीत दर्ज कर टीम ने भविष्य के लिए मजबूत संकेत दिए। प्रतियोगिता के शुरुआती दो मुकाबलों में हरियाणा को मजबूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना पड़ा। पहले मैच में कर्नाटक ने 12-0 से हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में दिल्ली ने 43-0 से शिकस्त दी। हालांकि शुरुआती हार से निराश होने के बजाय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए लगातार तीन मैच जीतकर अपने जुझारूपन का परिचय दिया। हरियाणा ने तमिलनाडु को 10-7 से रोमांचक मुकाबले में हराया, इसके बाद गोवा को 24-0 से मात दी।

संत कबीर शिक्षा समिति चुनाव: 54 कॉलेजियम के लिए 66 नामांकन

हरिभूम न्यूज ⏭ हिसार

संत कबीर शिक्षा समिति के आगामी चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दो दिवसीय नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई है। समिति के कुल 55 कॉलेजियम के लिए दोनों दिनों में कुल 66 उम्मीदवारों ने अपने दावेदारी के फॉर्म जमा करवाए हैं। चुनावी गणित के अनुसार, जहां एक कॉलेजियम पूरी तरह खाली रह गया है, वहीं 12 सीटों पर आमने-सामने की कांटे की टक्कर होने की संभावना है।

शांतिपूर्ण संपन्न हुई नामांकन प्रक्रिया चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. रमेश आर्य ने बताया कि संत कबीर छात्रावास में 11 और 12 जुलाई को नामांकन फॉर्म भरने का कार्य बेहद सौहार्दपूर्ण और अनुशासित माहौल में पूरा हुआ। 11 जुलाई को 29 और 12 जुलाई को शाम 4 बजे तक 37 उम्मीदवारों ने अपने पर्चे दाखिल किए। इस प्रक्रिया को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष जोगीराम खुडिया, तुलाराम, आरओ रघुवीर सिंह, राजवीर सिंह सहित सभी सदस्यों और उम्मीदवारों का सराहनीय सहयोग रहा। 12 कॉलेजियम में दिलचस्प चुनावी जंग के आसाररिटर्निंग ऑफिसर के अनुसार, समिति के कुल 55 कॉलेजियम में से कॉलेजियम नंबर 1 पर किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है। शेष 54 कॉलेजियम पर कुल 66 फॉर्म प्राप्त हुए हैं। इनमें से 12 कॉलेजियम (नंबर 3, 6, 25, 27, 29, 30, 31, 33, 35, 44, 49 और 55) ऐसे हैं, जहां दो-दो उम्मीदवारों ने ताल ठोकी है। इन सीटों पर सीधा और कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह से नामांकन पत्रों की जांच-पड़ताल (स्कूटनी) और नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद ही साफ होगी। समिति के इस लोकतांत्रिक उत्सव को लेकर सदस्यों और समाज में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

हिसार। चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देते डॉ. रमेश आर्य।

खबर संक्षेप

मां चंडिके मंदिर पाबड़ा में पौधारोपण 20 को

हिसार। गांव पाबड़ा स्थित चंडिके देवी मंदिर में 20 जुलाई को पौधारोपण किया जाएगा। मंदिर समिति के प्रधान एवं समाजसेवी जगदीश तायल ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम में आनंद शास्त्री पुजारी परिवार, भारत विकास परिषद (श्याम सखा) के प्रधान संजय मित्तल, पर्यावरण बचाओ अभियान समिति के अध्यक्ष मनोज हिसारी एवं सलाहकार बिमला शर्मा खैरी, मां चण्डिके मंदिर समिति के सदस्य विजेन्द्र किनाला, कीर्ति रतन शर्मा, रोड़वेज यूनियन के प्रधान कुलदीप पाबड़ा, कुलदीप फरीदपुर, सुनील नारंग, उग्रसैन, सुनील तायल सहित अनेक लोग मौजूद रहेंगे। जगदीश तायल ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और वृक्ष बढ़ाओ अभियान को गति देने के लिये इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी होते रहेंगे।

अवैध कब्जे की साजिश रचने में दो गिरफ्तार

हिसार। सदर पुलिस ने भूमि संबंधी अपराधों एवं अवैध कब्जा करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सहायक उप निरीक्षक वीरेन्द्र ने बताया कि उन्होंने अपनी टीम के साथ कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे की साजिश रचने के मामले में दो आरोपियों नलवा निवासी अशोक कुमार उर्फ शौके व भिवानी जिले के बडवाली निवासी सोमवीर उर्फ उड्डू को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त ट्रैक्टर तथा पिलर उखाड़ने के लिए इस्तेमाल की गई लोहे की चोबी बरामद की है। बरामद ट्रैक्टर एवं लोहे की चोबी को कब्जे में लेकर पुलिस ने आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नशा तस्करी मामले में सप्लायर पर कार्रवाई

हिसार। पुलिस की एएनसी टीम ने आरोपी से पूछताछ एवं उसके खुलासे के आधार पर नशा सप्लाई करने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार आरोपी संजय कुमार ने पुलिस हिरासत के दौरान अपने खुलासा बयान में बताया कि वह पूर्व में भी आबकारी अधिनियम एवं एनडीपीएस एक्ट के मामलों में संलिप्त रहा है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह मादक पदार्थ खरीदकर आगे विभिन्न व्यक्तियों को बेचता था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने 9 मई को अपने परिचित सदलपुर निवासी मनीष उर्फ गोलू से मोबाइल फोन पर संपर्क किया था। मनीष ने उसे चौपटा क्षेत्र में बुलाया, जहां वह अपने साथी गंगा निवासी अनिल कुमार के साथ एक कार में आया। आरोपी के अनुसार उसने दोनों से लगभग 40 ग्राम हेरोइन 52 हजार रुपये में खरीदी थी। इसके बाद उसने उक्त मादक पदार्थ का कुछ हिस्सा स्वयं इस्तेमाल किया तथा शेष को अलग-अलग व्यक्तियों को बेच दिया।

परीक्षा में उम्मीदवारों की कुल 82.52 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई

एचएयू के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए विद्यार्थियों ने 17 केंद्रों पर दी परीक्षा

- कुलपति ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को विभिन्न स्नातक व स्नात्तकोतर कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

विश्वविद्यालय द्वारा जिन कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर चार वर्षीय कोर्स, बीएससी आनर्स एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में बायो-केमिस्ट्री, केमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैथेमेटिक्स, माइक्रो-बायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलोजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिसटिक्स व जूलॉजी, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी में एग्रीकल्चरल बा यो टे क नो लॉ जी , बायोइंफोरमेटिक्स, मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी, बायो नैनोटेक्नोलोजी व इंडस्ट्रीयल बायोटेक्नोलोजी कोर्सिज शामिल है।

हिसार। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

6649 परीक्षा देने पहुंचे

प्रवेश परीक्षा के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 8057 उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र जारी किए गए। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 6649 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। उपरोक्त परीक्षा में उम्मीदवारों की कुल 82.52 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **admissions.hau.ac.in and hau.ac.in** पर नियमित रूप से चेक करते रहें।

हिसार। बैठक में उपस्थित बिजली कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

बिजली मंत्री के घेराव के लिए थर्मल प्लांट खेदड़ में बैठक

- कर्मचारियों ने अंबाला प्रदर्शन को सफल बनाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के आह्वान पर 17 जुलाई को अंबाला में बिजली मंत्री के प्रस्तावित घेराव को सफल बनाने के उद्देश्य से राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट, खेदड़ में कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थर्मल यूनिट अध्यक्ष अमरजीत सहारण ने की, जबकि मंच संचालन अरविंद डावर ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 17 जुलाई को अंबाला में होने वाले प्रदर्शन में अधिक से अधिक कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान कर्मचारियों से प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया गया। बैठक में वक्ताओं ने सरकार पर कर्मचारियों से किए गए वादों को पूरा नहीं करने तथा थर्मल समझौते को लागू न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार की वादाखिलाफी के कारण कर्मचारियों में भारी रोष है और लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान नहीं होने से असंतोष लगातार बढ़ रहा है।

नशा पीड़ितों का किया इलाज

- नशा मुक्त हिसार अभियान को मिल रही नई गति, टीम ने गांव बहबलपुर व बरवाला के विभिन्न वार्डों में चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पुलिस की नशा मुक्ति पुलिस टीम द्वारा लगातार जनजागरूकता एवं पुनर्वास संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में टीम ने रविवार को सदर थाना क्षेत्र के गांव बहबलपुर तथा बरवाला थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 4, 5, 6 व 7 में नशा जागरूकता अभियान चलाया गया। बहबलपुर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान लगभग 80 महिला, पुरुष एवं बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को स्वयं नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं बच्चों को नशे से बचाने, शिक्षा, खेलकूद तथा सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त बरवाला शहर के वार्डों एवं कॉलोनियों में भी युवाओं एवं आम नागरिकों को नशा छोड़कर स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों से नशा तस्करों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त की गईं तथा उनसे पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई।

हिसार। नशा पीड़ितों के लिए उनके परिजनों को दवाई देते टीम के सदस्य।

तस्कर से 1.140 किलो गांजा बरामद

हांसी। सीआईए-1 हांसी पुलिस ने रिमांड के दौरान हेरोइन तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर एक किलो 140 ग्राम गांजा बरामद किया है।

बरामदगी के बाद पुलिस ने मुकदमे में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराएं भी जोड़ दी हैं। आरोपी को दोबारा अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। सीआईए-1 प्रभारी एएसआई राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने गांव सिसाय बोलान निवासी विकास उर्फ बोना को दो दिन पहले 10.3 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी ने महत्वपूर्ण खुलासे किए।

हांसी में शुरू हुआ डेंगू रोधी अभियान

- डेंगू फैलाने वाला मच्छर साफ और रुके हुए पानी में पनपता

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

बरसात के मौसम के साथ डेंगू का खतरा बढ़ने की आशंका को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोरखी की ओर से जुलाई माह को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाने का अभियान शुरू कर दिया गया है। अभियान के तहत गांव सुल्तानपुर में लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोरखी के प्रभारी डॉ. कामिद मोंगा के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में उपस्वास्थ्य केंद्र सुल्तानपुर के बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रदीप कुमार ने बताया कि डेंगू फैलाने वाला मच्छर साफ और रुके हुए पानी में पनपता है। इसलिए घरों में कूलर, पानी की टंकी, होदी, गमलों तथा छतों पर जमा पानी की नियमित सफाई करना बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सप्ताह में एक दिन 'सूखा दिवस' अवश्य मनाएं। इस दिन कूलर, टंकी और गमलों का पानी पूरी तरह खाली कर उन्हें सुखाने के बाद ही दोबारा भरें। साथ ही घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा रात के समय पूरी बाजू के कपड़े पहनें।

हांसी। गांव सुल्तानपुर में पानी की टंकी में डेंगू लारवा की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। *फोटो: हरिभूमि*

बुखार की करवाएं जांच

प्रदीप कुमार ने बताया कि तेज बुखार आने पर तुरंत रक्त की जांच करानी चाहिए। सामान्य अस्पताल में डेंगू की जांच एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने लोगों को बिना चिकित्सकीय सलाह के स्वयं दवा लेने से बचने की भी सलाह दी। इस अवसर पर आशा वर्कर सुमन रानी, मनीष, सुमन देवी, सुनीता और राजेश भी उपस्थित रहे।

स्वदेशी जागरण मंच की 20 दिवसीय गायन व नृत्य की निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

स्वदेशी जागरण मंच व स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में 20 दिवसीय गायन व नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत धूमधाम से हुई। सेक्टर-15 के ब्लूमिंग डेल्स स्कूल में शुरू की गई इस कार्यशाला में महिलाएं व छात्राएं विशेषज्ञों से निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। यह कार्यशाला हरियाणा कला परिषद के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के शुभारंभ पर विभाग संयोजक डॉ. संजीव शर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक राकेश चराया ने ओजस्वी संबोधन से रचनात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति, स्वदेशी विचारधारा और महिला सशक्तीकरण में कला व संस्कृति की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर 50 से अधिक महिलाओं व छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों में कार्यशाला के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। राकेश चराया ने सभी प्रतिभागियों को नियमित रूप से कार्यशाला में भाग लेने और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम प्रमुख सुमन ऐरन, सह प्रमुख सोनू गोयल, डॉ. पूनम, पुष्पा, सुनीता, संध्या, जिला कॉर्डिनेटर विनय असीजा आदि रहे।

हिसार। विधायक सावित्री जिंदल को पुस्तक भेंट करते अनिल गुप्ता एडवोकेट व परिवार के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

हनुमानजी की साक्षात कृपा से ही हनुमत के बारे में लिखा जाना संभव : सावित्री जिंदल

हिसार। विधायक सावित्री जिंदल ने कहा है कि हनुमानजी के जीवन चरित्र के बारे में वही व्यक्ति कुछ लिख सकता है, जिस पर हनुमानजी की साक्षात कृपा हो। विधायक सावित्री जिंदल ने यह बात उस समय कही जब भामाशाह नगर निवासी अनिल गुप्ता एडवोकेट ने उन्हें अपनी नवरचित पुस्तक हनुमत बाल पराक्रम गाथा की प्रति भेंट की। उनके साथ पुत्र रजत गुप्ता एडवोकेट व पुत्र वधु दिव्या अग्रवाल सीए भी थे। विधायक ने अनिल गुप्ता को भविष्य में इस तरह की ज्ञानवर्धक पुस्तक लिखने के लिये प्रेरित किया। साथ ही यह कामना भी कि यह काव्य रचना समूचे विश्व में लोकप्रिय हो। इस अवसर पर नगर के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

समाज में महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध लगातार बढ़ रही अपराध की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए लॉर्ड वीके हाई स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए विशेष सेल्फ डिफेंस (आत्मरक्षा) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रबंधन की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें किसी भी आपात स्थिति में अपनी सुरक्षा करने के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण शिविर में चौथी से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने, मानसिक रूप से सतर्क रहने तथा त्वरित निर्णय लेने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक एवं सेल्फ डिफेंस स्पोर्ट्स सोसाइटी के चीफ एवं फाउंडर, इंटरनेशनल सेल्फ डिफेंस कोच रोहतश कुमार ने बच्चों को सरल, प्रभावी एवं व्यावहारिक तकनीकों के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का अभ्यास भी किया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी। विद्यालय के संचालक विजेंद्र सिंह पांचाल ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध पूरे समाज के लिए चिंता का विषय हैं। ऐसे में केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय ने निर्णय लिया है कि भविष्य में भी समय-समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि प्रत्येक छात्रा आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके।

हिसार। रोहतास कुमार सेल्फ डिफेंस कैंप में छात्राओं को प्रशिक्षण देते हुए।

नागरिक अधिकार मंच के सम्मेलन में शामिल होंगी सैंकड़ों महिलाएं

हिसार। सम्मेलन के लिए बैठक करती महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

- पंजाबी धर्मशाला में 26 जुलाई को होगा सम्मेलन

मुल्तानी चौक स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में महिलाओं की बैठक मंच की नेत्री अनु सुरा ढींगरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक महिला नेत्री सरबजीत कौर व बबली लांबा ने कहा कि शहर में छेड़छाड़, चैन स्नेचिंग, गुंडागड़ी, रंगदारी, चोरी, और अपराध पर रोकथाम करने में पुलिस बिल्कुल विफल दिखाई दे रही हैं। यहां तक कि क़त्ल तक के अपराधी भी सरकार की पकड़ से दूर है और सेक्टर 13 का सोनिया मर्डर केस इसका गवाह है। पीड़ित परिवार न्याय के अब थक हार कर बैठ ही गया है। महिला नेत्रियों ने मंच की मांगो का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर में साफ पीने के पानी, सीवर व्यवस्था, कूड़ा उठान में बड़ी दिक्कते आ रही है, गरीब बस्तियों में सरकारी स्कूलों को बंद कर शिक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

जागरूक 'स्वस्थ जीवन-स्वस्थ समाज' जनजागरण संगोष्ठी

संतुलित आहार से अनेक बीमारियों से बचाव संभव : डॉ. संजना कौशिक

हरिभूमि न्यूज ⏭आदमपुर

श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर समिति, पश्चिम पाना, आदमपुर की ओर से 'स्वस्थ जीवन-स्वस्थ समाज' विषय पर संतुलित आहार एवं प्राकृतिक जीवनशैली जनजागरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं, शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। स्वागत संबोधन करते हुए अधिवक्ता नरषोत्तम मेजर ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि गंभीर बीमारी से संघर्ष के बाद संतुलित आहार और अनुशासित दिनचर्या अपनाने से उनके स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव आया। इसी अनुभव को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एवं प्रसिद्ध डाइटिशियन डॉ. संजना कौशिक ने कहा कि भोजन ही हमारी पहली औषधि है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति सही खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाए तो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और अन्य जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने भारतीय पारंपरिक भोजन की वैज्ञानिकता, संतुलित आहार, जंक फूड के दुष्प्रभाव, महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों के पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और स्वस्थ दिनचर्या पर विस्तार से जानकारी दी। समापन सत्र में मंदिर समिति के सचिव कृष्ण बेनीवाल ने कहा कि धार्मिक जागरूकता के साथ-साथ समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के प्रधान कैलाश ज्याणी, उपप्रधान पटेल गोदारा, खजांची नंदराम सिंवर, सरजीत काकड़, बिश्नोई सभा हिसार के पूर्व प्रधान प्रदीप बेनीवाल, आदमपुर के सरपंच कपिल खीचड़, व्यापार मंडल के पूर्व प्रधान तरसेम गोयल, बार एसोसिएशन आदमपुर के प्रधान एडवोकेट सतपाल भाम्भू, मक्खन धतरवाल, रमेश भाम्भू, बिश्नोई आदि मौजूद रहे।

आदमपुर। 'स्वस्थ जीवन-स्वस्थ समाज' जनजागरण संगोष्ठी के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. संजना कौशिक को सम्मानित करते मंदिर समिति के पदाधिकारी।

इन्हें किया सम्मानित

व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे, जिनका डॉ. कौशिक ने वैज्ञानिक और सरल भाषा में समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर समिति ने डॉ. संजना कौशिक को शॉल ओढ़ाकर तथा पवित्र 'जंभसागर' ग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया।

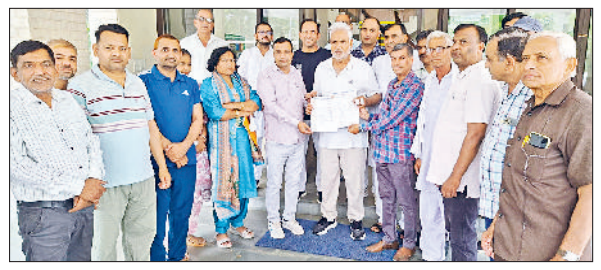

बरवाला। सांसद जयप्रकाश को ज्ञापन सौंपते राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हिसार के पदाधिकारी व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

प्राथमिक शिक्षक संघ ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, हिसार के जिला सरक्षक जय भगवान बडाला के मार्गदर्शन एवं जिला प्रधान विवेक शर्मा के नेतृत्व में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद जय प्रकाश को वर्ष 2009 से पूर्व सरकारी विद्यालयों में नियुक्त अध्यापकों को अनिवार्य टीईटी परीक्षा से राहत देने और सभी एनपीएस कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने के लिए अनेक अध्यापकों के साथ पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में ज्ञापन सौंपा। जिला कोषाध्यक्ष राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, हिसार राजकुमार सैनी ने बताया कि सांसद जयप्रकाश ने मौके पर अध्यापकों की सभी मांगों को गंभीरता से सुना और टीईटी के मुद्दे को संसद में उठाने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने पुरानी पेंशन योजना के मुद्दे पर भी गहन विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर हॉसी 2 के प्रधान अनिल बेरवाल, नारनौंद प्रधान जितेंद्र इंदौरा, जिला उपप्रधान सुनीता पूनिया, हिसार जिला ऑडिटर सरोज देवी, हिसार सेकंड के प्रधान राजेश शर्मा, अनिल मलिक, राजपाल पूनिया, मास्टर मनजीत, मास्टर सुरेश, मास्टर महावीर, जसवंत, जय भगवान, राजेंद्र, ओमप्रकाश आदि रहे।